ये अव्यक्त इशारे

अपवित्रता के बीज को भी समाप्त कर सम्पूर्ण स्वच्छ (पवित्र) बनो

6-08-2026

पवित्रता और अपवित्रता का कारण है 'स्मृति'। जब स्मृति रहती है कि यह देवी है तो स्मृति, दृष्टि और वृत्ति को पवित्र बनाती है और जब स्मृति है कि यह फीमेल है तो वह स्मृति, वृत्ति और दृष्टि को अपवित्रता की तरफ खैंचती है। वहाँ रूप को देखेंगे और वहाँ रूहानियत को देखेंगे।

Finish the seed of impurity and become completely clean (pure).

Awareness is the reason for purity and impurity. When you are aware of someone being a goddess that awareness makes your vision and attitude pure, whereas when you are aware of someone being a female, that awareness then draws your vision and attitude towards impurity. In one case, you are seeing the form (body) and in the other case you are seeing the spiritual.